RAJYA SABHA

Friday, the 6th May, 2016/16th Vaisakha, 1938 (Saka)

The House met at eleven of the clock,

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

REFERENCE BY MEMBERS

Re. Train carrying water to Uttar Pradesh

SHRI NARESH AGRAWAL (Uttar Pradesh): Sir, I am on a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Wait for one second. I will allow you. Which day you are not having a point of order?

SHRI NARESH AGRAWAL: Today my point of order is very important.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: So, you agree on other days it was not important.

SHRI NARESH AGRAWAL: It may be.

श्री उपसभापतिः ठीक है। आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभापति जी, संविधान के अनुच्छेद 74 के अन्तर्गत मंत्रिपरिषद का गठन होता है और संविधान के अनुच्छेद 245 के अन्तर्गत राज्य और केन्द्र सरकार की सीमाओं को बाँधा गया है। कल रेल मंत्री जी ने एक बयान दिया कि हमने उत्तर प्रदेश में एक पानी की ट्रेन भेजी है, जिसे उत्तर प्रदेश सरकार ने लेने से मना कर दिया। संविधान में बड़ा स्पष्ट है कि जब राज्य सरकार अलग से केन्द्र सरकार से काई सहायता माँगेगी, तब केन्द्र सरकार राज्य को सहायता देगी। वह सीधे-सीधे सहायता नहीं दे सकती है। श्रीमन्, ट्रेन पानी से भरी हुई नहीं थी, वह खाली थी, वह सिर्फ राजनीति करने के लिए भेजी गई थी। बाँदा ऐसी जगह है, बुंदेलखंड, जो सूखे से तड़प रहा है, वहाँ राज्य ने सारी सुविधाएं दी हैं। राज्य ने तो केन्द्र से माँगा था कि बुंदेलखंड में पानी बहुत है, आप डैम का पैसा दे दीजिए। राज्य ने केन्द्र से माँगा था कि अगर आपको बुंदेलखंड में कुछ लगाना है, तो आप हैंडपंप के लिए पैसा दे दीजिए। राज्य ने पानी तो नहीं माँगा था, पानी की ट्रेन तो नहीं माँगी थी, उसने तो कहा था कि टैंकर्स दे दीजिए। राज्य सरकार ने जब वहां सारा प्रबन्ध कर दिया, तो क्या संविधान के तहत oath लेने वाला एक मंत्री मंत्रिपरिषद में बैठ कर, राज्य और केन्द्र के सम्बन्धों की उपेक्षा करके इस तरीके की राजनीति कर सकता है और क्या वह इस तरह से राज्य सरकार को बदनाम कर सकता है? इसके लिए मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। ऐसे मंत्री को मंत्रिपरिषद में रहने का अधिकार नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): मंत्री जी को माफी माँगनी चाहिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री नरेश अग्रवालः सुरेश प्रभु जी आ गए हैं? ...**(व्यवधान)**... सुरेश प्रभु जी बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने क्या माँगा था? ...**(व्यवधान)**... एक मंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार को बदनाम करने का

काम किया है। ...**(व्यवधान)**... श्रीमन्, अगर सूखा, पीने के पानी या दैवी आपदा पर राजनीति की जाएगी ...**(व्यवधान)**... मैं चाहूँगा कि सुरेश प्रभु जी बयान दें। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right you made your point. ...*(Interruptions)*... You made your point ...*(Interruptions)*... Don't show that ...*(Interruptions)*... Don't display it. ...*(Interruptions)*... Don't display it. ...*(Interruptions)*... Don't display it. I understood what Naresh Agrawalji has said.

श्री नरेश अग्रवालः निषाद जी वहीं, बुंदेलखंड से हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः नरेश अग्रवाल जी ने जो कहा, मैं उसे समझ गया हूँ। अभी आप बैठिए, you made your point. आपको जो बोलना है, वह आप बोल चुके हैं। ...**(व्यवधान)**... Minister wants to reply. ...*(Interruptions)*... Minister, please.

श्री नीरज शेखरः वह ट्रेन खाली थी। ...**(व्यवधान)**... यह राजनीति की जा रही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः आप मिनिस्टर को सुनिए। ...**(व्यवधान)**... के.सी. त्यागी जी, आप मिनिस्टर को सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख़्तार अब्बास नक़वी): सर, माननीय नरेश अग्रवाल जी ने जो कहा है, ...**(व्यवधान)**... निश्चित तौर पर बुंदेलखंड और न केवल बुंदेलखंड, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के किसी भी हिस्से में अगर सूखे की स्थिति आती है, फसलों के बरबाद होने की स्थिति आती है, तो उसके प्रति हम सबको संवेदनशील रहना चाहिए, ...**(व्यवधान)**... इस पर राजनीति करने की आवश्यकता नहीं है। ...**(व्यवधान)**... इस सम्बन्ध में केन्द्र सरकार ने प्रदेश सरकार को पैसे भी दिए हुए हैं और बुंदेलखंड के लिए स्पेशल पैकेज भी दिया हुआ है। ...**(व्यवधान)**... हमें लगता है कि राज्य सरकार को उस पैकेज का इस्तेमाल proper तरीके से करना चाहिए। ...**(व्यवधान)**... अगर प्रदेश सरकार और भी सहायता चाहेगी, तो ...**(व्यवधान)**... केन्द्र सरकार प्रदेश सरकार की मदद करने को तैयार है। ...**(व्यवधान)**...

श्री नीरज शेखरः फिर से वही बात की जा रही है। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापतिः शरद यादव जी, आप क्या कहना चाहते हैं? ...**(व्यवधान)**... बाकी लोग बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री शरद यादव (बिहार): महोदय, नरेश अग्रवाल जी ने जो सवाल उठाया, तकलीफ यह है कि देश प्यासा है। बुंदेलखंड में बहुत विकट स्थिति है और दोनों सरकारों को मिल कर ही इसका रास्ता निकालना चाहिए। नरेश जी जो कह रहे हैं कि वहाँ खाली ट्रेन पहुँच गई, तो यह भी किस मकसद से पहुँची, यह बताना चाहिए। यह काम सरकार से बातचीत करके होना चाहिए। लोग प्यासे हैं, उन्हें घंटे-घंटे पानी चाहिए। अगर पानी पर भी हम लोग राजनीति करेंगे, तो अच्छी बात नहीं है। इसलिए मैं आपसे यह बात कहना चाहता हूं कि रेल मंत्री जी यहाँ बैठे हैं, उन्हें बताना चाहिए कि इसका मकसद क्या था, इसका क्या कारण है? मैं यह कहना चाहता हूं कि बुंदेलखंड की समस्या के लिए दोनों मिल

कर काम करिए, क्योंकि वहाँ बहुत विकट स्थिति है। यह मेरी आपसे विनती है कि चाहे आपकी सरकार हो, चाहे वह सरकार हो, पानी के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए।

श्री नरेश अग्रवालः श्रीमन्, नीति आयोग की अभी बैठक हुई है, ...(व्यवधान)...

श्री मुख़्तार अब्बास नक़वीः सर, सुरेश प्रभु जी का नाम लिया गया है और वे अभी यहां पर हैं। ...(व्यवधान)... वे इसके बारे में बताएंगे। ...(व्यवधान)...

श्री नीरज शेखरः सर, राज्य सरकार ने ट्रेन नहीं मांगी थी, टैंकर मांगे थे। ...(व्यवधान)... क्या इन्होंने टैंकर भिजवाए? ...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति : कृपया आप लोग बैठिए। ...(व्यवधान)... कृपया आप लोग बैठिए। ...(व्यवधान)...

I have only to make one comment that in the name of water and drought, nobody should play politics. That is all what I have to say. I would also request...*(Interruptions)*... I would also request that this matter may be talked and settled. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Suresh Prabhu. ...*(Interruptions)*... He will explain.

श्री नीरज शेखरः सर, रेल मंत्री माफी मांगें। ...(व्यवधान)...

रेल मंत्री (श्री सुरेश प्रभु): सर, देश के कुछ हिस्सों में पानी की समस्या बहुत गंभीर है। जब लातूर की स्थिति हुई, तो हमारे प्रधान मंत्री जी ने यह चाहा कि वहां के लोग प्यासे तड़पने नहीं चाहिए, इसलिए हमने फौरन लातूर में पानी भेजने का प्रबंध किया। जब हमारे सामने इसी तरह की समस्या आई कि बुंदेलखंड में भी ऐसी समस्या है, वहां के लोगों ने भी हमसे कहा कि ...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवालः कौन सी समस्या आई? ...(व्यवधान)... यह समस्या कौन लाया? ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश प्रभु: पहले आप सुनिए तो सही। ...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवालः सर ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him explain. ...*(Interruptions)*... इनको explain करने दीजिए ...(व्यवधान)...

श्री नरेश अग्रवालः सुरेश प्रभु जी माफी मांगें। ...(व्यवधान)... अगर वे माफी नहीं मांगेंगे, तो हम सदन नहीं चलने देंगे। ...(व्यवधान)...

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): सर, संघीय व्यवस्था में केन्द्र सरकार द्वारा ...(व्यवधान)... इस तरह का काम करना गलत है। ...(व्यवधान)...

†جناب جاوید علی خان : سر، سنگھیے ویوستھا میں کیندر سرکار کے ذریعے ---(مداخلت)--- اس طرح کا کام کرنا غلط ہے ---(مداخلت)---

† Transliteration in Urdu script.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...*(Interruptions)*... Let him explain, please. ...*(Interruptions)*... The Minister can say what he wants to say ...*(Interruptions)*... आपको जो बोलना है, वह आप बोलिए। ...**(व्यवधान)**... कृपया आप बोलिए। ...**(व्यवधान)**... Why are you doing this? ...*(Interruptions)*... Now, Papers to be laid on the Table. ...*(Interruptions)*...

PAPERS LAID ON THE TABLE

Report and Accounts (2014-15) of the National Judicial Academy, Bhopal and related papers

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI D.V. SADANANDA GOWDA): Sir, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(a) Annual Report and Accounts of the National Judicial Academy, Bhopal, for the year 2014-15, together with the Auditor's Report on the Accounts.

(b) Performance Report of the above Academy, for the year 2014-15.

(c) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (a) above. [Placed in Library. *See* No. L.T. 4553/16/16]

Report and Accounts (2014-15) of NPSE Commission, authority and society and related papers

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF AYURVEDA, YOGA AND NATUROPATHY, UNANI, SIDDHA AND HOMOEOPATHY (AYUSH) AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SHRIPAD YESSO NAIK): Sir, I lay on the Table, a copy each (in English and Hindi) of the following papers:—

(i) (a) Annual Reports and Accounts of the Jansankhya Sthirata Kosh (National Population Stabilisation Fund), New Delhi, for the year 2014-15, together with the Auditor's Report on the Accounts.

(b) Statement giving reasons for the delay in laying the papers mentioned at (i) (a) above. [Placed in Library. *See* No. L.T. 4867/16/16]

(ii) (a) Annual Report and Accounts of the Indian Pharmacopoeia Commission, Ghaziabad, Uttar Pradesh, for the year 2014-15, together with the Auditor's Report on the Accounts.

(b) Review by Government on the working of the above Commission.